662

रिजस्ट्री सं० डो---(डीएन)---73

REGISTERED NO. D--(DN)--73

417183

311रत का

राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित (1,351)19 (10:17, 21, published by Authority 26,27,78, 34, - 41,

4]

नई विल्ली, शनिवार, अप्रैल 2, 1983 (चैत्र 12, 1905)

'NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 2, 1983 (CHAITRA 12, 1905)

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

M1551719 N15 4111 111 - 414 4 17,21,26,27,24 PART III - SECTION .4]

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएँ जिसमें कि आवेश, विकादन और सूचनाएं सम्मिलत हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

्राई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1983

्र-15 | 13 | 8 | 1 | 77-यो० एवं वि० (1) — कर्मवारी प्रामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उप-) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महा-द्भाक ने निश्चय किया है कि निम्न धनुसूची में निर्विष्ट क्षेत्रों में क्षर्ग "क" "ख" तथा "ग" के लिये प्रथम ग्रंगदान एवं प्रथम लाभ

क्षा कि कि तथा में के लिय प्रथम श्रशदान एवं प्रथम लाभ प्रवृधियां नियत दिवस 5-3-1983 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रेजिंगार में लगे व्यक्तियों के लिये प्रारंभ व समाप्त होंगी जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है:—

वर्ग ्	प्रथम अंशदान प्रवधि		प्रथम लाभ भ्रवधि	
	जिस मध्य राशि को प्रारंभ होती हैं	जिस मध्य रावि को सामाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
-	5-3-83	30-7-83	3-12-83	28-4-84
5	5-3-83	24 - 9-83	3-12-83	30-6-84
ग	5-3-83	28-5-83	3-12-83	25-2-84

श्रनुसूची :---

मध्य प्रदेश राज्य के-

"नीमच तहसील तथा मंदसौर जिले में नीमच की नगर-पालिका सीमाश्रों के श्रन्तर्गत श्राने वाले क्षेत्र"

सं०: एन: 15/13/8/1/77—यो० एवं वि० (2)— कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95-कं के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा प्रधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के श्रनुसरण में महा निदेशक ने 6 मार्च, 1983 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की हैं जिससे उक्त विनियम 95-क तथा मध्य प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1959 में निविष्ट चिकित्सा हितनाम मध्य प्रदेश राज्य के निम्नलिखित कीहों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे। श्रर्थात

"नीमच तहसील तथा मंद्रसौर जिले में नीमच की नगरपालिका सीमाश्रों के ग्रन्सर्गत ग्राने वाले क्षेत्र"

> एच० के० ग्रहजा, निदेशक (योजना एवं विकास)

वास्तुकला परिषद विनियम, 1982

वास्तुकला परिषध केन्द्रीय सरकार के धनुमोधन से वास्तु-विद् प्रधिनियम, 1972 (1972 का 20वां) की धारा 45 की छपधारा (1) के साथ पढ़ी गई उपधारा (2) के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ), (च) श्रीर (ञ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाती है, शर्थात्:—

खण्ड–I

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

- (1) ये विनियम वास्तुकला परिषद विनियम, 1982 कहे जायेंगे।
- (2) ये उस तारीख से लागू होंगे जिस तारीख को ये सरकारी गजट में प्रकाशित होंगे।

2. परिभाषाएं---

जब तक सन्दर्भ से ग्रन्यथा ग्रभिप्रेत न हो, इन विनियमों में:—

- (फ) "प्रधिनियम" का प्राशय वास्तुविद प्रधिनियम, 1972 (1972 का 20वां) से हैं;
- (ख) "कार्यकारिणी" का ग्राशय धारा 10 के प्रधीन गठित कार्यकारिणी से हैं;
- (ग) "घ धर्ग का स्टाफ" का धामय धारा 12 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के घधीन नियुक्त दफ्तरियों, जमाधारों, चपरासियों, चौकी-दारों श्रीर स्वीपरों से है;
- (घ) "निरीक्षक" या "निरीक्षकों" का ग्राणय कार्य-कारिणी द्वारा धारा 19 के ग्रधीन नियुक्त निरीक्षक या निरीक्षकों से हैं;
- (क) "सदस्य" का भाशय, जब तक सन्धर्भ से भ्रन्यथा भ्रमिश्रेत न हो, परिषद के सदस्य से है;
- (भ) "लिपिक वर्गीय स्टाफ" का भागय धारा 12 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के भ्रधीन नियुक्त भ्रधीक्षक, सहायकों, लेखाकारों, क्लकों, भ्रागुलिपिकों भीर टाइपकर्ताभ्रों से है;
- (छ) "ग्रध्यक्ष" का ग्राशय परिषद के ग्रध्यक्ष से है;
- (ज) "सचिव" का आशय धारा 12 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नियुक्त रिजस्ट्रार से है;
- (झ) ''धारा'' का आश्रय अधिनियम की धारा से हैं;
- (ञा) ''स्थाई म्रादेशों'' का भ्राशय परिषक्ष के उन स्थाई म्रादेशों से हैं जो भ्रधिनियम तथा उसके म्रमीन बनाये गये नियमों म्रौर विनियमों के उपबन्ध्रों के मनुसार ही जारी किये गये हों;
- (ट) "उपाध्यक्ष" का माणय परिषद के उपाध्यक्ष से हैं।

भाग-II

वास्तुकला परिषद

 परिषव की बैठकों का समय, स्थान ग्रौर कार्यसूची सैयार करना

परिषद की बैठक हर छह महीने में कम से कम एक बार उस तारीख भौर उस स्थान पर होगी जिसे परिषद निर्धारित करे:

परन्तु अध्यक्ष (i) किसी भी ऐसे तात्कालिक मामले के लिये जिस पर परिषद का विचार-विमर्श श्रावश्यक हो, 15 दिन की पूर्व सूचना देकर किसी भी समय विशेष बैठक बुला सकेगा; (ii) कम से कम दस सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित लिखित मांगपत के मिलने पर, जिसमें उस उद्देश्य का भी उल्लेख होगा जिसके लिये बैठक बुलाई जानी है, 15 दिनों की पूर्व-सूचना पर विशेष बैठकें शायोजित करेगा। लेकिन उक्त उद्देश्य उन उद्देश्यों से भिन्न होगा जो विनियम 8 के उप विनियम (१) के खण्ड (ख) के प्रथम परन्तुक में उल्लिखित है, श्रीर यह उद्देश्य ऐसा होगा जो परिषद के उन कार्यकलांगों के कार्यक्षेत्र के श्रन्त-गंत हो जिसके लिये वे बैठक बुलवाना चाहते हैं।

4. परिषद्ध की बैठकों की गणपूर्ति

- (1) परिषद की साधारण बैठकों में और विनियम 3 के परन्तुक के खण्ड (1) के अधीन आयोजित विशेष बैठकों में परिषद के 15 सदस्यों के होने पर गणपूर्ति होगी और परिषद के सभी कार्यों पर उपस्थित तथा मतदाता सदस्यों के बहुमत से निर्णय होगा।
- (2) विनियम 3 के परन्तुक के खण्ड (ii) के अधीन मांग किये जाने पर आयोजित विशेष बैठक में परिषक्ष की कुल सदस्य संख्या के दो-तिहाई सदस्यों के उपस्थित होने पर ही गणपूर्ति होगी।
- 5. प्रलेखों के परिचालन द्वारा श्रनुमोदन
 - (1) किसी ऐसी आकस्मिक स्थिति में, जिसमें परिषद की मंजूरी की आवश्यकता हो, सबस्यों में प्रलेखों के परिचालन द्वारा भी उनका अनुमोधन प्राप्त किया जा सकता है:
 - परन्तु यि प्रलेखों के परिचालन के 15 दिन के भीतर किसी सदस्य का उत्तर नहीं मिलेगा तो मान लिया जायेगा कि उसने अपना अनुमोदन दे दिया है।
 - (2) प्रलेखों के परिचालन द्वारा अनुमोदन का निर्णय बहुमत के आधार पर किया जायेगा।

परिषद की विशेष बैठकों के कार्य

विनियम 3 के उप-विनियम .(1) के परन्तुक के खण्ड (i) में उल्लिखित बैठक में केवल उसी विषय पर विचार-विमर्श किया जायेगा जिसके लिये वह बैठक बुलाई गई हो।

7. परिषद्य की बैठकों की पूर्व सूचना

विनियम 3 के उप-विनियम (1) के परन्तुक के प्रधीन बुलाई जाने वाली विशेष बैठकों को छोड़कर ग्रन्य सभी बैठकों की पूर्व-सूचना सचिव परिषद्य के हरेक सदस्य को बैठक की तारीख से कम से कम 30 दिन पहले भेजेगा।

परिषद की बैठकों के लिये कार्यसूची

- (1) सचिव बैठकों की पूर्व-सूचना के साथ ही एक प्रारम्भिक कार्यसूची भी भेजेगा जिसमें उस बैठक में प्रस्तुत किये जाने वाले कार्य, बैठक में रखे जाने वाले प्रस्तावों की रूपरेखा (जो उसे पहले ही लिखित रूप में मिल गई है) श्रौर प्रस्ताव-कत्ता के नामों का उल्लेख होगा।
- (2) यदि कोई सदस्य ऐसा प्रस्ताव रखना चाहे जो प्रारम्भिक कार्यसूची में नहीं है, या कार्यसूची में नहीं है, या कार्यसूची में गामिल किसी मद पर कोई संगोधन प्रस्तुत करना चाहे तो वह उसकी पूर्व-सूचना कम से कम बैठक की निर्धारित तारीख से 20 दिन पहले सचिव को भेजेगा।
- (3) सचिव बैठक की निर्धारित तारीख से कम से कम 10 दिन पहले, श्रौर विशेष बैठक के मामले में, विशेष बैठक की सूचना भेजने के साथ ही, पूरी कार्य-सूची सदस्यों को भेजेगा जिसमें बैठक के सामने रखे जाने वाले सभी विषयों का उल्लेख होगा।
- (4) ग्रगर कोई सदस्य किसी ऐसी मद पर संशोधन पेण करना चाहे जो संपूर्ण कार्यसूची में तो शामिल हैं लिकन प्रारम्भिक कार्यसूची में शामिल नहीं थीं, तो वह बैठक की निर्धारित तारीख से कम से कम 3 बिन पहले सचिव को उसकी सूचना देगा।
- (5) सिचय, समय होने पर, उन सभी संशोधनों की एक सूची अनायेगा जिनकी सूचना उप-विनियम-(4) के अधीन उसे दी गई है ताकि वे सूचियां बैठक से पहले हरेक सबस्य के उपयोग के लिये दी जा सकें।
- (6) ग्रध्यक्ष, परिषद की सहमित होने पर बैठक में किसी ऐसे प्रस्ताव पर भी विधार-विमर्श की ग्रनुमित दे सकता है जिसकी पूर्व-सूचना इतनी देर में मिली थी कि उसे इन विनियमों के पालन की वृष्टि से स्वीकार नहीं किया जा सकता था।
- (7) इन विनियमों में कोई भी ऐसा तथ्य मान्य नहीं होगा जिसके कारण कार्यकारिणी किसी भी मामले को परिषव की उस बैठक में विचारार्थ भेजने

- में बाधित हो जो कार्यकारिणी की बैठक के एकदम बाद या बहुत जल्दी श्रायोजित की जाये।
- (8) किसी भी संकल्प या प्रस्ताव पर कोई भी संशोधन तभी पेश किया जायेगा जब उस परः चर्चा हो रही हो ग्रौर पूर्व-सूचना की कोई समय-सीमा ग्राश्यक नहीं होगी।
- (9) किसी भी प्रस्ताव को ऐसी स्थिति में पेश करने की श्रनुमित नहीं दी जायेगी श्रगर:
- (क) वह ऐसे विषय के सम्बन्ध में हो जो परिषद के कार्य के क्षेत्र के भीतर नहीं है;
- (खा) वह प्रस्ताव या संगोधन के रूप में सारत: उसी प्रश्न को प्रस्तुत करता है जिसे उस बैठक की तारीख से, जिसमें उसे प्रस्तुत किया जाना है, एक साल के भीतर पहले पेश किया गया था या परिषद की श्रनुमति से वापस ले लिया गया था; परन्तु इस प्रकार का प्रस्ताव परिषद के कुल सदस्यों में से दो तिहाई सदस्यों की मांग होने पर विनियम 3 के परन्तुक के खण्ड (ii) के ग्रधीन इसी प्रयोजन के लिये बुलाई गई विशेष बैठक में पेश किया जा सकता है। परन्तु यह धौर भी कि इन विनियमों में कोई। भी बात केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रधिनियम के ग्रधीन ग्रपने कृत्य के निर्वहण के भ्रनुसरण में परिषद को विचारार्थ सौंपे गये किसी भी मामले पर पुनः विचार-विभर्श कहने से तक तक बाधित नहीं करेगी जब तक कि
- (ग) वह स्पष्ट रूप में श्रीर यथातथ्य रूप में श्रीम-व्यक्त न हो श्रीर किसी निश्चित विषय को सारतः प्रस्तुत न करती हो;
- (घ) उसमें मानहानिकारक विवरणों की व्यंगात्मक ग्रंभिव्यक्तियों, तर्क-वितर्क, ग्रनुमान हों।
- (10) ग्रध्यक्ष किसी भी ऐसे प्रस्ताय को पेश करने की ग्रस्कीकृति धेगा.जी उसकी सम्मति में उप विनियम (9) के ग्राधीन भ्रानुमत्य नहीं हो:
 - परन्तु यदि कोई प्रस्ताव संशोधन द्वारा धनुमस्य हो सकता हो ती ग्रध्यक्ष उस प्रस्ताव को ग्रस्वीकार करने के स्थान पर उसे संशोधित रूप में पेश करने की ग्रनुमति दे सकता है।
- (11) जब ग्रध्यक्ष किसी प्रस्ताय के संशोधन को ग्रस्वीकार या स्वीकार करेगा तो सचिव उस प्रस्ताव को भेजने वाले सदस्यों को, यथास्थिति, ग्रस्वीकृति के ग्रादेश श्रथवा प्रस्ताय के स्वीकृत रूप की सूचना वेगा।

- 9. परिषद की बैठकों का पीठासीन म्नाधिकारी और मतवान का तरीका
 - (1) परिषद की हर एक बैठक की श्रध्यक्षता श्रध्यक्ष या उसकी श्रनुपस्थिति में उपाध्यक्ष या श्रध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष दोनों की श्रनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों द्वारा श्रपने बीच में से चुना गया कोई सदस्य करेगा।
 - (2) परिषव को जिस मामले पर निर्णय करना हो उसे कोई भी सदस्य प्रस्ताव के रूप में पेश करेगा श्रीर पीठासीन अधिकारी उसे परिषय के समक्ष विचारार्थ पेश करेगा।
 - (3) मतदान पीठासीन श्रधिकारी के निर्देश के श्रनुसार हाथ खड़े करके या सदस्यों के विभाजन द्वारा या मतपन्न द्वारा होगा।

परन्तु अदि तीन सवस्य चारे श्रीर मांग करे तो मतदान मत पत्न द्वारा किया जायेगा।

परन्तु यह भी कि यदि मतवान हाथ खड़े करके किया गया हो तो किसी सदस्य की मांग पर सदस्यों के विभाजन द्वारा भी किया जायेगा।

- (4) विभाजन द्वारा मतवान की पद्धति का निर्णय पीठा-सीन अधिकारी करेगा।
- (5) बैठक का पीठासीन अधिकारी मतवान का परिणाम घोषित करेगा और उसकी घोषणा को भुनौती नहीं वी जायेगी।
- (6) यदि मतों की संख्या समान हो तो बैठक के पीठा-• सीन ग्रिधकारी को दूसरा बोट या निर्णायक बोट देने का ग्रिधकार होगा।

10. परिषद की बठकों में पेश किये जाने वाले प्रस्ताव

- (1) ग्रगर प्रायः एक ही विषय के प्रस्ताव दो या ग्राधिक सदस्यों के नाम से प्राप्त हुए हों तो बैठक का पीठासीन श्रिधिकारी यह निर्णय करेगा कि किस सदस्य का प्रस्ताव पेश किया जाये ग्रीर तब ग्रन्थ प्रस्ताव या प्रस्तावों को वापस ले लिया गया मान लिया जायेगा।
- (2) हरेक प्रस्ताव या संशोधन का समर्थन आवश्यक होगा और समर्थन न होने पर उसे वापस ले लिया माना जायेगा।
- (3) जब किसी प्रस्ताय का समर्थन किया जायेगा तो बैठक का पीठासीन ग्रधिकारी उसका विवरण देगा।
- (4) प्रस्ताव का विवरण उपर्युक्त ढंग से दे दिये जाने के बाद उस पर एक प्रधन के रूप में वचार-विमर्श किया जायेगा श्रीर उस पर परिषद का निर्णय स्वीकारात्मक या निषेधात्मक संकल्प के रूप में किया जायेगा या कोई सदस्य विनियम

11 के श्रधीन प्रस्ताव पर कोई संशोधन भी पेश कर सकता है:

परन्तु पीठासीन श्रधिकारी किसी भी ऐसे संशोधन की श्रनुमति नहीं देगा जो यदि स्वयं सारभूत प्रस्ताव के रूप में होता तो विनियम 8 के श्रधीन ग्रग्राह्य होता।

11. परिषद की बैठकों में प्रस्तावों पर संशोधन

- (1) परिषद की बैठकों में संशोधन उस प्रस्ताव से सुसंगत ग्रौर उसके क्षेत्र के ग्रन्तर्गत होना चाहिये जिसके लिये वह पेश किया गया है ग्रौर उसे केवल इसलिये पेश नहीं किया जायेगा कि वह केवल निषेधात्मक बोट का काम करे।
- (2) बैठक का पीठासीन अधिकारी प्रस्ताव के किसी
 भी ऐसे संशोधन पर बोट लेना ग्रस्थीकार कर
 सकता है जो उसकी सम्मित में तुच्छ या परेणान
 करने वाला हो या निषेधात्मक बोट के रूप में
 हो।
- (3) किसी भी प्रस्ताव में संशोधन निम्नलिखित ढंग से किया जा सकता है:
 - (क) शब्दों को हटाकर, अन्य शब्दों के बीच में शामिल करके या जोड़कर, या
 - (ख) मूल शब्द या शब्दों के स्थान पर श्रन्थ शब्द रखकर।
- 12 वे मामले जिन पर प्रस्ताव पर विचार विमर्श के समय चर्चा हो सकती है।
 - (1) परिषद की किसी बैठक में जब कोई प्रस्ताव संशोधन विचाराधीन हो तो उसके सम्बन्ध में नीचे लिखे विषयों को छोड़कर कोई भी प्रस्थापना पेग नहीं की जायेगी:
 - (क) विनियम 10 के अनुसार प्रस्ताव में यथा-स्थिति संगोधन या संगोधन;
 - (ख) प्रस्ताव या संशोधन पर हो रही बहस को किसी निर्दिष्ट तारीख श्रौर समय या दिन स्थिगित कराने का प्रस्ताव;
 - (ग) संवार का प्रस्ताव, श्रर्थात् यह प्रस्ताव कि श्रव विचाराधीन प्रश्न पर वोट ले लिये जायें;
 - (भ) यह प्रस्ताव कि विश्वाराधीन प्रस्ताव पर बहस करने की बजाये परिषद कार्यसूची की ध्रगली मद पर विचार करे;

परन्तु ऐसा कोई प्रस्ताव या संगोधन किसी कथन में बाधा डालने के लिये पेश नहीं किया जायेगा; परन्तु यह भी कि खण्ड (ख), (ग) श्रीर (घ) में बताये गये ढंग के किसी प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण या समर्थन कोई ऐसा सदस्य नही करेगा जिसने बैठक में उस प्रथन पर भ्रपने विचार पहले ही प्रकट कर लिये हों;

(2) यिष बैठक के पीठासीन अधिकारी की यह सम्पत्ति हो कि संवार का प्रस्ताव तर्कसंगत विचारविभर्ष के अधिकार का दुरुपयोग है तो वह तत्काल यह प्रस्ताव करेगा कि श्रव प्रश्न पर मतदान हो, श्रौर यिष वह प्रस्ताव पारित हुग्ना तो विचाराधीन मूल प्रस्ताव या संशोधन पर तत्काल मतदान होगाः परन्तु बैठक का पीठासीन श्रधिकारी मूल प्रस्ताव भेजने वाले सदस्य को यह श्रमुमित दे सकता है कि वह विचाराधीन मूल प्रस्ताव पर मतदान से पहले श्रपने उत्तर के श्रधिकार का प्रयोग कर ले:

परन्तु यह भी कि परिषय की बैठक को किसी निर्धारित तारीख और समय तक स्थिगित करने का प्रस्ताय कभी भी किया जां सकता है बगरों कि वह किसी के कथन (स्पीच) को बाधित न करे, लेकिन बैठक के पीठासीन ग्रधिकारी ग्रपने विवेक के ग्रनुसार ऐसे किसी भी प्रस्ताव को परिषद के सामने पेश कर सकेगा या उसे ग्रस्वीकार कर सकेगा।

- (3) ग्रगर किसी प्रस्ताव या संगोधन के पेश होने के बाद उसका समर्थन हो गया हो तो परिषद की ग्रनुमित के बगैर वह वापस नहीं लिया जायेगा ग्रौर अगर कोई सदस्य इस ग्रनुमित के देने के प्रति ग्रसहमित प्रकट करेगा सो यह श्रनुमित नहीं दी जायेगी।
- (4) जब कोई प्रस्ताव पेश हो जाये तथा उसे समर्थन मिल जाये तो पेश करने वाले को छोड़कर अन्य सदस्य और समर्थनकर्ता उस प्रस्तान के सम्बन्ध में उस क्रम से अपने विचार प्रकट करेंगे जो उस बैठक का पीठासीन अधिकारी तथ करे:

परन्तु प्रस्ताव या संशोधन का समर्थनकर्ता बैठक के पीठासीन श्रधिकारी की अनुमति से, यथास्थिति, प्रस्ताव या संशोधन के समर्थन तक श्रपने को सीमित रख सकता है और विचार-विमर्श के बाद की किसी श्रवस्था में उस पर श्रपने विचार प्रकट कर सकता है।

- (5) बैठक के दौरान बैठक का पीठासीन अधिकारी किसी भी समय विधार-विमर्श के दौरान कोई आपत्ति उठा सकता है या सुझाय दे सकता है या सदस्यो की सहायता के लिये किसी मुद्दे को स्पष्ट करने की दृष्टि से जानकारी दे सकता है।
- (6) मूल प्रस्ताव के प्रस्तुतकर्त्ता, भौर बैठक के पीठासीन अधिकारी की अनुमति से, संशोधन के प्रस्तुतकर्त्ता की अन्तिम उत्तर का अधिकार होगा,

ग्रौर कोई घन्य सदस्य बैठक के पीठासीन ग्रधिकारी की ग्रनुमति के बिना बहस में एक से ग्रधिक बार भाग नहीं ले सकेगा। यह श्रनुमति केवल व्यक्तिगत स्पष्टीकरण देने के लिये या उस समय परिषद के सामने विभार प्रकट कर रहे सदस्य से एक प्रकृत के लिये ही दी जायेगी:

परन्तु बहुस में किसी भी समय कोई भी सदस्य व्यवस्था का प्रश्न उठा सकेगा, लेकिन उस प्रशन पर कोई कथन वह नहीं कर सकेगा:

परन्तु यह भी कि यदि किसी सदस्य ने किसी प्रस्ताव पर विचार प्रकट किये हों तो वह उस प्रस्ताव पर बाद में प्रस्तुत मंशोधन पर भी बोल सकता है।

- (7) सदस्यों का कथन प्रस्ताव या उम पर प्रस्तुत संशोधन के विषय तक ही पूर्णतः सीमित होगा।
- (8) यि कोई प्रस्ताव या संशोधन किसी ऐसे सदस्य के नाम से प्राप्त हुआ हो जो बैठक में उपस्थित नहीं हो या जो उसे पेण करने का इच्छुक न हो तो बैठक के पीठासीम अधिकारी की अनुमति से कोई अन्य सदस्य उसे पेश कर सकता है।
- (9) यदि बैठक का पीठासीन ग्रधिकारी किसी भी समय चला जाये तो उस समय विचार प्रकट करने वाला कोई भी सदस्य तत्काल उसका स्थान ग्रहण कर लेगा।

13. प्रस्ताव का भ्रंगीकरण

- (1) जब किसी प्रस्ताव के संशोधन को पेश किया जाये और उसका समर्थन हो जाए, या जब ऐसे दो संशोधन पेश हो जायें और उनका समर्थन हो जाये तो बैठक का पीठासीन ग्रिधकारी उन पर परिषद का मत लेने से पहले परिषद के समक्ष मूल प्रस्ताव और प्रस्तावित संशोधन या संशोधनों का विवरण देशा या उन्हें पढ़ केर सुनायेगा।
- (2) किसी भी प्रस्ताव के संशोधन पर सबसे पहले बोट लिये जायेंगे।
- (3) ग्रगर किसी प्रस्ताव पर एक से ग्रधिक संशोधन हो तो बैठक का पीठासीन ग्रधिकारी यह निर्णय करेगा कि इन्हें किस क्रम से पेश किया जाये।
- (4) जब किसी ऐसे प्रस्ताव पर विचार हो जाये तो जिसमें भ्रतेक मुद्दे हों तो बैठक के पीठासीन भ्रष्टि-कारी का विवेकाधिकार होगा कि वह प्रस्ताव को हिस्सों में विभाजित कर ले भ्रौर हरेक हिस्से या किसी एक हिस्से पर भ्रपने विवेक के भ्रनुसार बोट ले।

14. परिषद की बैठकों का स्थान

(1) परिषद की बैठक का पीठासीन अधिकारी किसी भी समय किसी भी बैठक को किसी आगामी तारीख या उसी दिन किसी धन्य समय के लिये स्थगित कर सकता है।

- (2) जब कोई बैठक किसी म्रागामी तारीख के लिये स्थिति की जायेगी तो म्रध्यक्ष उस तारीख के स्थान पर कोई म्रन्य तारीख निश्चित कर सकता है भ्रौर सचिव उस बद्धली तारीख की सूचनाहर सदस्य को लिखित रूप में भेजेगा।
- (3) जब कोई बैठक किसी प्रागामी तारीख के लिये स्थागित होगी तो सचित्र स्थान की सूचना हर सदस्य को भेजेगा।
- (4) प्रागामी तारीख के लिये स्थिगत बैठक में पिछली तारीख के बचे प्रस्ताव को, यदि श्रध्यक्ष श्रन्यथा निर्वेश न दे, कार्यसूची के अन्य मामलों की तुलना में प्राथमिकता दी जायेगी।
- (5) बैठक का पीठासीन अधिकारी बैठक के आरम्भ में या बैठक के वौरान किसी विशेष मद पर बहुस के समापन के समय कार्यसूची के कार्यों के कम में परिवर्तन प्रस्तावित कर सकता है और यदि परिषद सहमित देगी तो यह परिवर्तन कर विया जायेगा।
- (6) यदि कोई मामला मूल बैठक की कार्यसूची में रहा हो तो उस पर स्थगित बैठक में बहुस नहीं होगी।

15. परिषद की बैठक का प्रारम्भ

म्रगर बैठक के लिये निर्धारित समय पर गणपूर्ति न हो तो बैठक तब तक शुरू नहीं होगी जब तक गणपूर्ति न जाये और यिद बैठक के शुरू होने के लिये निर्धारित समय से 20 मिनट बाद तक या बैठक के दौरान गणपूर्ति न हो तो बैठक प्रध्यक्ष द्वारा निर्धारित किसी भ्रन्य भ्रागामी तारीख और समय तक के लिये स्थिगत हो जायेगी:

परन्तु गर्णपूर्ति के ग्रभाव के कारण स्थगित बैठक के बाद होने वाली बैठक में गणपूर्ति की ग्रावश्यकता नहीं होगी।

16. व्यवस्था के प्रश्न

- (1) बैठक का पीठासीन ग्रिधिकारी बैठक में उठाये जाने वाले व्यवस्था के सभी प्रश्नों पर निर्णय देगा ग्रीर उसका निर्णय ग्रन्तिम होगा।
- (2) ग्रगर किसी ऐसे मामले के सम्बन्ध में की जाने वाली कार्यवाही के बारे में कोई प्रका उठे जिसके बारे में इन विनियमों में कोई व्यवस्था नहीं की गई तो बैठक का पीठासीन श्रधिकारी उसका निर्णय करेगा भीर उसका निर्णय ग्रन्तिम माना जायेगा।

17. परिषद की बैठकों का कार्यवृत्त

(1) परिषद की बैठकों की कार्यवाही को कार्यवृत्त के रूप में सुरक्षित रखा जायेगा और उसकी पुष्टि

- के बाद बैठक का पीठासीन म्रधिकारी कार्यघृत्त की पुष्टि करते हुए उसे प्रमाणित करेगा।
- (2) प्रत्येक बैठक के कार्यवृक्त की प्रति बैठक के 10 दिन के भीतर ग्रध्यक्ष को पेश की जायेगी जो उसे साक्ष्यांकित करेगा ग्रौर तब बैठक के 30 दिन के भीतर उन्हें प्रत्येक सदस्य को भेजा जायेगा।
- (3) प्रत्येक बैठक के कार्ययुत्त में उन सभी प्रस्तावों और संशोधनों का उल्लेख होगा जो प्रस्तुत और श्रंगीकृत हुए हों।
- (4) म्रगर सचित्र द्वारा कार्यवृत्त के भेजे जाने के 30 हिन के भीतर कार्यवृत्त के सही होने के सम्बन्ध में कोई म्रापत्ति प्राप्त हो तो उस म्रापत्ति की तथा रिकार्ड किये गये साक्ष्यांकित कार्यवृत्त को परिषद की श्रगली बैठक में पृष्टि के लिये पेश किया जायेगा म्रौर इस बैठक में उक्स बैठक के रिकार्ड के सही होने के प्रशन को छोड़कर किसी म्रौर प्रशन पर विचार नही किया जायेगा:

परन्तु यदि परिषद द्वारा किसी बैठक में लिये गये निर्णय के सम्बन्ध में कोई प्रापित सिंचव द्वारा उक्त खास बैठक के कार्यवृत्त के भेजे, जाने के 30 दिन के भीतर प्राप्त न हो तो उक्त निर्णय को सुविधानुसार बैठक में कार्यवृत्त की पुष्टि होने से पहले कार्यान्वित किया जा सकता है:

परन्तु यह भी कि म्रध्यक्ष निर्देश वे सकता है कि परिषद के निर्णय पर उपर्युक्त 30 दिन की म्रविध की समाप्ति से पहले ही कार्रवाई की आयेगी।

(5) परिषद के कार्यवृत्तों को पुष्टि के बाद, जितनी जल्दी हो सके, श्रलग-ग्रलग कागजों पर तैयार करके पृष्ठों पर कमसंख्या डालकर एक जिल्द में रख दिया जायेगा ग्रीर इस जिल्द को स्थाई रूप से सुरक्षित रखा जायेगा।

भाग-111

परिषय के प्रध्यक्ष ग्रीर उपाध्यक्ष के ग्रधिकार श्रीर कर्त्तव्य

18. ग्राध्यक्ष के ग्राधिकार ग्रौर कर्त्तव्य

- (1) ग्रध्यक्ष उन भ्रधिकारों का प्रयोग करेगा भौर वे कर्त्तव्य निवाहेगा जो भ्रधिनियम के उपवंधों, विनियमों श्रौर परिषद के स्थाई श्रादेशों में उल्लि-खित है। साथ ही वह ऐसे सभी कार्य भी करेगा जो उसके विचार से परिषद की स्थापना के उद्देश्यों को श्रागे बढ़ाने के लिये ग्रावण्यक हों।
- (2) प्राध्यक्ष परिषद तथा उन समितियों के, जिनका वह सदस्य है, विचार विमर्श की कार्यवाही की ग्रध्यक्षता करेगा।

- (3) श्रध्यक्ष परिषद ग्रथवा परिषद की समितियो की बैठके ऐसे समय ग्रौर स्थान पर बुलवायेगा जिन्हें. बह ठीक समझता हो।
- (4) श्रध्यक्ष परिषद्ध श्रौर उसकी समितियो की बैठकों में प्रस्तृत की जाने वाली कार्यसूची की मदो को श्रनुमोदित करेगा।

19. उपाध्यक्ष के प्रधिकार और कर्त्तव्य

प्रगर ग्रध्यक्ष का पद खाली हो या ग्रगर ग्रध्यक्ष किसी कारणवश ग्रपने पद के ग्रधिकारों का प्रयोग करने या कर्त्तव्यों को निभाने में ग्रसमर्थ हो तो उपाध्यक्ष उसके स्थान पर काम करेगा ग्रौर ग्रध्यक्ष के ग्रधिकारो का प्रयोग तथा कर्तव्य का पालन करेगा।

भाग-IV

कार्यकारिणी

20. कार्यकारिणी की बैठकों में काम का संचालन

- (1) कार्यकारिणी की बैठकों पर, ग्रगर श्रन्यथा निर्दिष्ट न हो, सामान्यतः परिषद की बैठकों पर लागू होने वाले विनियम लागू होंगे।
- (2) अगर ग्रध्यक्ष ग्रीर उपाध्यक्ष दोनो ग्रनुपस्थित हों तो उपस्थित सदस्य अपने किसी एक सदस्य को बैठक की ग्रध्यक्षता के लिये चुनेगे।
- (3) कार्यकारिणी के चार सदस्यों के उपस्थित होने पर गणपूर्ति होगी।
- (4) ग्रगर कार्यकारिणी की बैठक के लिये निर्धारित समय में गणपूर्ति न हो तो बैठक नब तक शुरू नही होगी जब तक गणपूर्ति न हो जाये, ग्रौर ग्रगर बैठक के लिये निर्धारित समय के बाद 30 मिनट तक या बैठक के दौरान गणपूर्ति न हो तो बैठक किसी ऐसी तारीख भीर समय तक के लिए स्थिगत कर दी जायेगी जिसे बैठक या पीठा- धिकारी निर्धिष्ट करे।
- (5) परिषध की बैठकों के समय के भ्रन्तराल मे यिध कोई पथ खाली हुआ तो परिषध की भ्रगली बैठक तक के लिये कार्यकारिणी परिषद के किसी भी सदस्य को सहयोजित कर सकती है। भ्रगली बैठक में परिषद कार्यकारिणी के लिये भ्रपना सदस्य चुनेगी।
- (6) कार्यकारिणी की बैठकों की सूचना ग्रीर कार्य-वृत्त ग्रामतौर पर बैठक से 15 दिन पहले भेज विये जायेंगे।
- (7) (क) बैठक के 15 दिने के भीतर हरेक बैठक के कार्यवृत्त की एक प्रति अध्यक्ष को प्रस्तुत की जायेगी और उसके द्वारा साक्ष्यांकित हो जाने के बाद बैठक के 20 दिन के भीतर हरेक सदस्य को भेज दी जायेगी।

- (ख) ग्रगर कार्यवृत्त के भेजने के 20 दिन के भीतर उसके सही होने के सम्बन्ध में कोई ग्रापित प्राप्त न हो तो उसमें उल्लिखित कोई भी निर्णय कार्यीन्वित कर दिया जायेगा।
- (ग) परिषद के सप्तस्यों को कार्यवृत्त कार्यकारिणी द्वारा पुष्टि के बाद भेजे जायेगे:

परन्तु प्रध्यक्ष निर्देश दे सकता है कि उक्त 20 विन की प्रविध की समाप्ति से पहले कार्यकारिणी के निर्णय पर कार्यवाही कर दी जाये:

परन्तु यह भी कि यदि प्रधिनियम के उपबन्धों के प्रधीन केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन लेना आवश्यक हो तो कार्यकारिणी का प्रध्यक्ष कार्य-कारिणी द्वारा किये गये निर्णयों और संकल्पो को कार्यान्वित नहीं करेगा।

- (8) सिमिति द्वारा पुष्टि के बाद कार्यकारिणी द्वारा पारित सभी संकल्प और किये गये सभी कार्य ग्रानुसभर्यन के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।
- (9) कार्यकारिणी का कोई भी निर्णय तब तक प्रभावीं नहीं होगा जब तक प्रध्यक्ष ने लिखित रूप हे उसका प्रनुमोदन न कर दिया हो या उसके प्रनु मोदन की स्थिति में परिषद ने कार्यकारिणी के निर्णय को प्रनुमोदित न कर दिया हो।

21. कार्यकारिणी के कृत्य

- (1) कार्यकारिणी परिषद की कार्यपालक प्राधिकार होगी ग्रौर उसकी जिम्मेवारी होगी कि वह परिषय के संकल्प ग्रीर निर्णय को प्रभावी करे।
- (2) कार्यकारिणी को निम्नोक्त के मनुसार प्रधिका होंगे:
 - (i) परिषद की निधियों का प्रबन्ध करना;
 - (ii) परिषद द्वारा समय-समय पर निर्विष कंगसे परिषद की निधियों का निवेश करना
 - (iii) स्टाफ के सदस्यों को नियुक्त करना, उनके काम का पर्यवेक्षण करना और उनकी सेव दशाये निर्धारित करना;
 - (iv) वार्षिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर विचार करन ग्रीर उसे ग्रंपनी टिप्पणी सहित परिषः के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करना;
 - (v) वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट श्रौर लेखा विवरण तैयार करना श्रौर उन्हे परिष के समक्ष रखना;
 - (vi) ग्रनुमोदित बजट में उल्लिखित निर्घारिः सीमाग्नों के भीतर व्यय करने का ग्रधिकाः रिजस्ट्रार को देना;

- (vii) परिषद श्रौर उसकी कार्यकारिणी के सदस्यों श्रौर कर्मचारियों के लिये याला श्रौर श्रन्य भक्ते निर्धारित करना;
- (viii) प्राध्यक्ष या उपाष्ट्रयक्ष को पूर्वोक्त ग्रिधकार प्रत्यायोजित करना; ग्रौर
- (ix) पूर्वोक्त कृत्यों का निर्वाह करने के लिये श्रन्य सभी श्रावश्यक कार्य करना।

भाग--7

परिषद्य की समिक्तियां

22. सिमितियों का गठन श्रीर उनका कार्य संचालन

- (1) परिषद समिति के गठन के लिये कभी भी प्रस्ताय ग्रंगीकृत करके कोई समिति या समितियां गठित कर सकती हैं जिसके सदस्य कितनी ही संख्या में हो सकते हैं या यह संकल्प कर सकती हैं कि किसी कार्य के विचारार्थ वह स्वयं समिति के खप में गठित हो जाये।
- (2) परिषद समिति के कार्यों तथा नियुक्त अथवा निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या का निर्धारण करेगी।
- (3) उक्त संमितियों को अधिकार होगा कि अध्यक्ष के पूर्व अनुमोदन से हर मामले में अधिक से अधिक तीन सदस्य तक अतिरिक्त सदस्य या सदस्यों को सहयोजित कर ले।
- (4) (क) अगर समिति के सदस्यों के रूप में प्रस्तावित सदस्यों की संख्या समिति के निर्माण के लिए आवश्यक सदस्यों की कुल संख्या से अधिक नहीं हो तो उक्त प्रस्तावित सदस्यों को समिति के सदस्यों के रूप में नियुक्त कर दिया जाएगा।
 - (ख) ग्रगर उक्त प्रस्तावित सदस्यों की संख्या समिति के निर्माण के लिए ग्रावण्यक सदस्यों की संख्या सं ग्रधिक हो तो मतदान किया जायगा ग्रीर सबसे श्रधिक बोट पाने वाले सदस्यों को ग्रावण्यक संख्या में नियुक्त किया जायेगा।
- (5) फ्राध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष परिषद द्वारा गठिस समितियों के पदेन सदस्य होंगे स्रौर इन समितियों के श्रध्यक्ष स्रौर उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगे।
- (6) परिषद द्वारा गठित समिति की गणपूर्ति समिति के कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई से कम नहीं होगी।
- (7) उक्त समितियों की कार्यवाही इस विनियम के श्रनुसार होगी, परन्तु समिति के श्रष्ट्यक्ष के विवेक के श्रनुसार इसमें कभी भी छूट दी जा तकती है।

(8) समिति भ्रपनी रिपोर्ट कार्यं क्या निर्णा के समक्ष पेश करेगी।

भाग-VI

रजिस्ट्रार और परिषद के कर्मचारी

- 23. रजिस्ट्रार की कार्याविधि, ग्रिधकार भीर कर्त्तव्य
 - (1) रिजस्ट्रार की कार्यविधि परिषद उसकी नियुक्ति के समय केन्द्रीय सरकार से पूर्व-मंजूरी छेकर निर्धारित करेगी।
 - (2) जब तक परिषद श्रन्यया निर्णय न करे, रिजस्ट्रार सामान्यतया 60 साल की उम्म पूरी करने पर सेवा निवृत्त होगा।
 - (3) रिजिस्ट्रार परिषद्य का मुख्य कार्यपालक श्रिधिकारी होगा और श्रद्ध्यक्ष और परिषद की सम्बन्ध समिति के सामान्य पर्यवेक्षण के श्रद्धीन होगा। वह श्रिधि-नियम तथा इन विनियमों में उस विषय में उस्लिखित श्रिधकारों श्रीर क्संद्यों के साथ-साथ नीचे लिखे प्रकार के श्रिधकारों का प्रयोग भीर क्संद्यों का पालन करेगा, यथा:
 - (i) परिषद के कार्यालय के प्रमुख कार्यपालक के रूप में परिषद के कार्यालय का प्रभारी प्रधिकारी होगा;
 - (ii) प्रन्यथा निर्दिष्ट न होने पर परिषय या सिमितियों की सभी बैठकों में भाग लेगा;
 - (iii) परिषद और उसकी समितियों की कार्य-वाहियों के रिकार्ड और कार्यवृत्त रखेगा;
 - (iv) परिषद की सील सहित परिषद की सम्पत्ति प्रथमी प्रभिरक्षा में रखेगा;
 - (v) परिषद के कर्मचारियों पर सामान्य नियंत्रण रखेगा स्रोर उनका पर्यवेक्षण करेगा;
 - (vi) परिषद द्वारा श्रन्यथा निर्दिष्ट न होने पर परिषदं या उसकी समिति की श्रोर से प्राप्त धन को बैंक में जमा कराने का प्रबन्ध करेगा;
 - (vii) परिषद द्वारा भ्रन्यंथा निर्णय न किए जाने पर सभी समितियों के सचिव के रूप में काम करेगा श्रौर परिषद या उसकी समितियों की बैठकें बुलवाएगा;
 - (viii) तात्कालिक काम की करने के लिए श्रष्ट्यक्ष के पूर्व अनुमोदन से आवश्यक श्रम्थाई स्टाफ नियुक्त करेगा;
 - (ix) निर्धारित ग्रावश्यक ग्रधिसूचनायें ग्रीर ग्रावश्यकता के ग्रमुसार परिपन्न जारी करेगा;
 - (x) परिषद ग्रीर समितियों का पत्नाचार का काम करेगा;

- (xi) वास्तुकला परिषद नियमावली, 1973 के नियम 35 के अधीन गठित अनुणासन समिति के सिचिय के रूप में काम करेगा;
- (xii) नोटिस जारी करेगा ग्रौर विभिन्न कार्य-वाहियों के सम्बन्ध में समस्त कार्य का प्रभारी ग्रिधकारी होगा जैसे प्रलेखों की प्रमाणित प्रतियां देना, साक्ष्य या गवाहों के बयान;
- (xiii) श्रधिनियम या उसके अधीन बने नियमों या इन विनियमों में उल्लिखित प्रेरुखों या अन्य कार्यवाहियों की प्रमाणित प्रतियाँ देगा;
- (xiv) रिकाडी, रिजस्टरों, लेखा, फर्नीचर, पुस्तकालय श्रीर ऐसी श्रन्य सम्पत्ति का श्रिभिरक्षक बनेगा जो परिषद्व समय-समय पर श्रिजित करे;
- (xv) परिषद को देय धन की प्राप्ति के लिए ग्रावश्यक व्यवस्था करेगा ग्राँर उसके लिए रसींदें भी जारी करेगा;
- (xvi) उचित लेखा बहियां बनाकर रखेगा धौर परिषय के लेखे की परीक्षा के प्रयोजन से परिषय द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षकों द्वारा मांगी गई लेखा बहियां श्रौर श्रन्य जानकारी प्रस्तुत करेगा;
- (xvii) परिषद, समितियों श्रीर श्रध्यक्ष द्वारा मंज्र सभी श्रन्य भुगतान करेगा;
- (xviii) परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन और भन्ने देगा, उन्हें छुट्टी देगा और अनुमोदित वेतन-मान के अनुसार उनकी वेतन-वृद्धि पर हस्ताक्षर करेगा;
- (xix) पदच्युति को छोड़कर उपर्युक्त , कर्मचारियों पर अनुशासनिक नियन्त्रण रखेगा पषच्युति के लिये कार्यकारिणी की पूर्व-मंजूरी प्राप्त की जायगी;
- (xx) परिषद या सिमितियों या श्रध्यक्ष द्वारा समन्दिष्ट श्रन्य कार्य करेगा; श्रौर
- (xxi) वास्तुविवों को रिजस्टर करेगा, उनके रिजस्ट्रेशन का नवीकरण करेगा भ्रौर नवीकरण फीस न देने पर उनके नाम वास्तुविद रिजस्टर से काटेगा।
- 24. प्रशासनिक ग्रधिकारी की कार्यविधि, ग्रधिकार ग्रीर कर्त्तव्य
 - (1) प्रशासनिक अधिकारी की कार्यावधि का निर्धारण परिषद उसकी नियुक्ति के समय केन्द्रीय सरकार की पूर्व-मंजुरी छेकर करेगी।
- (2) जब तक परिषद श्रन्यथा निर्धारित न करे प्रिणा-सनिक प्रधिकारी सामान्यतया 60 वर्ष की उम्र के पूरा होने पर सेवा निवृत्त होगा। 2—9 GI/83

- (3) प्रशासनिक अधिकारी वें सभी कृत्य करेगा जो कार्यकारिणी, रिजस्ट्रार और इस विनियमों द्वारा उस सौपे जाएं।
- (4) प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय के हर रोज के काम में प्रशासनिक मामलों में र्राजस्ट्रार की सहायता करेगा और रजिस्ट्रार की अनुपस्थिति में सभी प्रशासनिक जिस्मेदारियां निभायेगा।

25 कर्मचारियों की कार्यविधि श्रीर सेवा-दशायें

- (1) लिपिक-वर्गीय कर्मचारी श्रांर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 60 वर्ष की उम्र केपूरा होने पर सेवा निवृत्त होंगे: परन्तु कार्यकारिणी लिखित रूप में कारणों की रिकार्ड करके किसी भी लिपिकवर्गीयया चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की कार्यविधि को 2 साल द्वक वहा सकती है।
- (2) कर्मचारियों के वे श्रधिकार श्रौर वर्त्तव्य होंगे जो समय-समय पर स्थाई ब्रादेशों में उल्लिखित हों।
- (3) रिजस्ट्रार प्रध्यक्ष का पूर्व अनुमोदन लेकर लिपिक वर्गीय श्रौर जतुर्थ श्रेणी वर्मचारियों को नियुक्त कर सकता है श्रौर ऐसे ग्रस्थाई कर्मचारियों को काम पर रख सकता है जिनकी समय-समय पर श्रावश्यकता हो, इन कर्मचारियों को उचित दर से पारिश्रमिक दे सकता है बशातें कि उसकी दर केन्द्रीय सरकार द्वारा समकक्ष स्थाई स्टाफ के लिये मंजूर दर से श्रधिक न हो श्रौर इन नियुक्तियों की सूचना कार्यकारिणी की दी जारेगी

भाग-VII

. वित्त, लेखा श्रीर लेखापरीक्षा

26. वित्त ग्रीर लेखा

(1) परिषद प्रपना खर्च चलाने के लिये रिजस्ट्रेणन फीस, नवीकरण फीस ग्रौर ऐसी श्रन्य फीस ग्रौर राणि ग्रहण कर सक्ती है जो ग्रिधिनियम श्रौर उसके श्रधीन नियमों के श्रन्तर्गत ग्रनुभत्य हैं ग्रौर वह वास्तुविद रिजस्टर, रिपोर्टों ग्रौर श्रन्य प्रकाशनों की क्षिकी से प्राप्त राणि भी ग्रहण कर सकती हैं:

> परन्तु परिषद श्रनुदान, उपहार या जमा या केन्द्रीय सरकार के इस प्रकार की श्रन्य वित्तीय सहायता भी ग्रहण कर सकती है।

(2) परिषद के बैंकर स्टेट बैंक आफ इंग्डिया या बैंककारी कॅम्पनी (उपक्रमों का श्रर्जन झॉर अन्तरण) - अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की प्रथम श्रनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट कोई श्रन्य बैंक होगा।

- (क) परिषद की समस्त धन-राशि उक्त बिसी बैंक में परिषद के खाते में जमा की जायेगी धौर बैंक द्वारा निकाली जायेगी जिस पर रिजस्ट्रार के हस्ताक्षर होंगे धौर श्रध्यक्ष या उसके द्वारा इस काम के लिये प्राधिकृत किसी श्रन्य श्रधिकारी के प्रति-हस्ताक्षर होंगे।
 - (ख) चैक खुक रिजस्ट्रार की व्यक्तिगत अभि-रक्षा में रहेगी।
 - (4) परिषद की वह धनराशि, जो चालू श्रावश्यवताश्रों से श्रधिक हो, रिजस्ट्रार की सिफारिश पर श्रौर कार्यकारिणी की मंजूरी से उक्त किसी बैंक में भियादी जमा में या सरकारी प्रतिभूति में या केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रनुमोदिल किसी श्रन्य प्रतिभृति में निविष्ट की जा सकती है।
 - (5) परिषद्य की धनराशि का निवेश परिषद के ही नाम में कियां जायेगा।
 - (6) रसीवों की सुरक्षित ग्रभिरक्षा रिजस्ट्रॉर के व्यक्तिगत प्रभार में रहेगी ग्रॉर हर छह महीने में एक बार रिजस्ट्रार उसका सत्यापन विनियम 27 में उल्लिखित निवेण रिजस्टर से मिलाकर करेगा ग्रीर रिजस्ट्रार सत्यापन प्रमाणपत्न को रिकार्ड करेगा जिस पर ग्रह्यक्ष प्रतिहस्ताक्षर करेगा।
 - (7) रिजस्ट्रार अगले वित्त वर्ष के लिये आय और व्यय का विस्तृत अनुमान तैयार करेगा और उसे कार्यकारिणी की मंजूरी के लिये पेश करेगा।
 - (8) परिषद की राणि का विनियोजन विसी ऐसी मद पर खर्च करने के लिये नहीं किया जायेगा, जो, यथास्थिति, परिषद, भ्रष्टमक्ष या प्रजिस्ट्रार क्षारा विधिवत मंजूर नहों।
 - (9) (क) श्रष्ट्यक्ष को विनियोजन की एक सद से धन-राणि को दूसरी मद में पुनर्विनियोजन करने का पूरा श्रधिकार होगा लेकिन गर्द यह होगी कि राणि पूरी बजट-व्यवस्था से बढ़ न जाये श्रीर श्रष्ट्यक्ष के इस कार्य से केन्द्रीय सरकार के लिये कोई भावी विसीय वचनबद्धता उपस्थिति न हो जाये।
 - (ख) उक्त पुनर्विनियोजन की मंजूरी के श्रादेशों की प्रतियां कार्यवारिणी को भेजी जागंगी।
 - (10) रिजस्ट्रार को हर मामले में अधिक से अधिक 200 रू० तक के विविध और प्रासंगिक प्रकार के व्यम की मंजूरी का अधिकार होगा और इससे अधिक राणि के मामले में अध्यक्ष की मंजूरी आवश्यक होगी।

- (11) रिजस्ट्रार को दैनिक खर्च को पूरा करने के लिये 200 रू० की स्थाई पेशगी उचित राशि के रूप में दी जायेगी।
- (12) रिजस्ट्रार परिषद के सदस्यों, निरीक्षकों श्रौर कर्म-चारियों तथा श्रध्यक्ष एवं रिजस्ट्रार के यात्रा तथा श्रन्य भत्तों के सम्बन्ध में प्रमाणन-श्रश्चिकारी होगा।

27. लेखा-बहियां

- (1) परिषद की नीचे लिखी लेखा-बहियां बनाकर रखी जाएंगी, श्रथीतु:—
 - (i) रोकड़ बही;
 - (ii) वर्गीकृत सार;
 - (iii) निवेश रजिस्टर;
 - (iv) उपस्कर भीर फर्नीचर रिजस्टर;
 - (v) खैक बुक रजिस्टर;
 - (vi) छुट्टी तथा पेंशन या भविष्य निधि संशदान का रिजस्टर;
 - (vii) स्थाई पेप्रागियों का रजिस्टर;
 - (viii) वार्षिक लेखा।
- (2) (क) वर्गीकृत सार में विनियोजन की मुख्य मदों के अनुसार मासिक लेखे संकलित किये जार्योगे।
 - (ख) रिजिस्ट्रार के विवेक के अनुसार उपयुक्त गौण मर्वे भी बनाई जा सकती हैं और रिजिस्ट्रार सभी लेखों को विधिवत तैयार कराने और उनके रखरखाव के लिये जिम्मेबार होगा।

28. लेखापरीक्षा

- (1) परिषद के वार्षिक लेखे की लेखापरीक्षा परिषद द्वारा हर वर्ष नियुक्त लेखापरीक्षक करेगा।
- (2) लेखापरीक्षा का परिणाम कार्यकारिणी को बताया जायेगा।
- (3) परीक्षित वार्षिक लेखे धौर परिषद की रिपोर्टकी एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी जायेगी।

· भाग-VIII

वास्तुकला की शैक्षिक संस्थाओं का निरीक्षण

- 29 गैक्षिक संस्थाओं श्रीर उनकी परीक्षाओं का निरीक्षण वास्तुकला संस्थाओं का निरीक्षण श्रीर धारा 19 के श्रधीन प्रशिक्षण श्रीर परीक्षा के समय उपस्थित नीचे लिखे हम से होगी, श्रथीत्:—
 - (1) वास्तुकला की शिक्षा देने वाली हर संस्था का निरीक्षण हर पांच वर्ष में एक बार निरीक्षक करेंगे;

- (2) रजिस्ट्रार निरीक्षक या निरीक्षकों तथा संस्था से परामर्ण करके निरीक्षण की तारीख निर्धारिक्ष करेगा;
- (3) कार्यकारिणी किसी संस्था के निरीक्षण के लिये या किसी परीक्षा में उपस्थिति के लिये और उस पर रिपोर्ट देने के लिये उतने निरीक्षक नियुक्त करेगी जितने श्रावक्ष्यक समझे जाएं:
 - परन्तु उक्त निरीक्षण के लिये निरीक्षकों की भ्यूनसम संख्या दो होगी;
- (4)(क) हर निरीक्षक को श्रष्ट्यक्ष, कार्यकारिणी, परिषद्य की मुहर लगा हुआ श्रीपचारिक कमीशन देगा:
 - (ख) श्रध्यक्ष के निर्देश में उस संस्था या उन संस्थाओं का नाम ग्रादि, पाठ्यक्षम ग्रीर परीक्षा या परीक्षाओं की योजना या प्रशिक्षण कार्यक्रम या ग्रीक्षिक स्तर तथा स्टाफ, उपस्कर, ग्रावास, प्रशिक्षण तथा श्रन्य सुविधाये श्रादि का उल्लेख होगा जिनका निरीक्षण किया जाना है या जिनके वौरान उपस्थिति ग्रभीष्ट है;
 - (ग) अध्यक्ष निरीक्षक को सूचित करेगा कि उसे श्रपनी रिपोर्ट कार्यकारिणी को देनी होगी जो सिफारिश सहित श्रन्तिम रिपोर्ट इन विनियमों के श्रनुसार परिषद को पेश करेगी;
 - (घ) रिजस्ट्रार निरीक्षक को योग्यत। श्रों या गैक्षिक स्तरों की मान्यता ग्रौर उनमें किये जाने वाले सुधारों के सम्बन्ध में प्रलेखों ग्रौर परिषद्य की सिफारिशों की एक-एक प्रति देशा ग्रौर वास्तुकला शिक्षा से संबंधित संकल्पों की भी एक-एक प्रति देशा।

30. निरीक्षकों के ग्रधिकार श्रौर कर्त्तव्य

- (1) निरीक्षक का कर्त्तव्य होगा किः
 - (क) कार्यकारिणी ने उसे जिस संस्था या संस्थाधों के निरीक्षण के लिये श्रादेश दिया है उनसे संबंधित पिछली रिपोटौं (यदि हों) की ज्ञान-कारी श्रौर विश्वविद्यालय या परीक्षाकारी संस्था की टिप्पणियों और उन पर परिषद की रिपोर्ट की जानकारी प्राप्त करे।
 - (ख) जिस संस्था या परीक्षा या प्रणिक्षण का निरीक्षण उसे करना है उसमें स्वयं जाये लेकिन उनके संचालन में कोई बाधा उत्पन्न न करे;
 - (ग) उस संस्था का निरीक्षण करे जो कोई मान्यता प्राप्त पाठयकम चलाती हो या जिसने अपने

- पाठ्यक्रमों श्रोर परीक्षा पद्धति की मान्यता के लिये भ्रावेदन किया हो श्रोर यह देखें कि पाठ्यक्रम णिक्षा से संबंधित विनियमों और परिषद द्वारा निर्धारित स्तर के श्रनुरूप है;
- (घ) जिस शिक्षा, परीक्षा या संस्था का उसने निरीक्षण किया हो उसके स्तर की पर्याप्तता या अपर्याप्तता के विषय में कार्यकारिणी को अपनी सम्मति बताएं;
- (ङ) अपनी रिपोर्ट में क्रम से निम्नलिखित का विवरण वे: जिस-जिस परीक्षा में वह गया था उम हरेक परीक्षा के लिखित, मौखिकं या प्रयोगात्मक भागों में पूछे गये प्रश्न; प्रयोगात्मक या मौखिक परीक्षा के वौरान छालों द्वारा प्रस्तुत सक्षीय कक्षा-कार्य, निरी-क्षण के लिये की गई व्यवस्था, नम्बर देने की पद्धति ग्रौर मापदण्ड, उत्तीर्ण छात्रों द्वारा प्रदर्शित ज्ञान का स्तर ग्रौर सामान्यतः वे सभी विवरण जो परीक्षा के क्षेत्र ग्रौर स्वरूप के निर्णय के लिये ग्रावश्यक हों;
- (च) श्रपनी रिपोर्ट में संस्थाश्रों के सम्बन्ध में आवश्यक विवरण प्रस्तुत करे ताकि कार्य- कारिणी इसकी जांच कर सके कि श्रष्ट्यापन की मौजूदा सुविधायें क्या है श्रोर ख्याव- सायिक शिक्षा के सम्बन्ध में परिषद की सिफारिशों पर किस सीमा तक श्रमल किया गया है;
- (छ) रिजस्ट्रार से श्रपनी किसी रिपोर्ट की प्रूफ-प्रति मिलने पर प्रूफ का मूल पाठ से मिलान करे, उसमें संशोधन करे श्रौर हस्ताक्षर करके उसे रिजस्ट्रार को लौटा दे जो उसे उक्त रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति के रूप में परिषक्ष के रिकार्ड में सुरक्षित रखवा देगा।
- (2) परीक्षक या परीक्षकों की हर रिपोर्ट हस्ताक्षरित की जायेगी ग्रीर कार्यकारिणी को प्रस्तुत की जायेगी।
- (3) अगर किसी विशेष मामले में कार्यकारिणी अन्यथा निर्देश न वे तो निरीक्षकों की रिपोर्ट गोपनीय मानी जाएंगी।
- (4) निरीक्षक जो रिपोर्ट देंगे उसकी प्रतियों पर गोपनीय ग्रंकित करने के बाद उन्हें संबंधित विश्वविद्यालय या परीक्षाकारी निकाय तथा उसकी संस्था को इस प्रनुरोध के साथ भेज दिया जायेगा कि संबंधित प्राधिकारी प्रेषण की तारीख से छह मिननों के भीतर उस पर ग्राव्यव्यक दिप्पणियां देकर कार्य- कारिणी को भज दे।

- (5) निरीक्षक या निरीक्षकों की हरेक रिपोर्ट की गोपनीय प्रति विश्वविद्यालय या परीक्षाकारी निकाय या संस्था की टिप्पणी सहित परिषद के हरेक सबस्य को दी जयेगी ग्रीर कार्यकारिणी की टिप्पणियों सहित परिषद उस पर विचार करेगी ग्रीर कार्यकारिणी के विचार सहित वह परिषद की ग्रगली बैठक में विचारार्थ पेश की जायेगी।
- (6) निरीक्षक या निरीक्षकों की हरेक रिपोर्ट की एक - प्रति संबंधित विश्वविद्यालय या परीक्षाकारी निकाय तथा संस्था की टिप्पणियों सहित, तथा उस पर कार्यकारिणी की सम्पत्ति सहित, परिषद के धनुमोदन के बाद केन्द्रीय सरकार तथा संबंधित राज्य सरकार को भेजी जायेगी।

छावनी बोर्ड, अमृतसर छावनी

श्रमृतसर छावनी, विनांक 21 फरवरी 1983

का० नि० ग्रा० सी० वी० ए०-ग्रार-15/82-83/484— ग्रमृतसर छावनी में साईकिल/ निपहिया साईकिल पर कर संग्रहण ग्रीर वसूली की विनियमित करने के बारे में कतिपय नियमों का प्राष्ट्रप छावनी ग्रिधिनयम 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उपधारा (1) की ग्रपेक्षानुसार, ग्रमृतसर छावनी बोर्ड की सूचना संख्याः सी०बी०ए०-ग्रार 15/80-81/325/1674 तारीख 27 दिसम्बर, 1980 के बारा प्रकाशित किया गया था, ग्रीर उक्त सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की ग्रवधि के भीतर, उन सभी व्यक्तियों से जिनकी उससे प्रभावित होने की सभावना थी, ग्राक्षेप ग्रीर मुझाव मांगे गए थे :—

श्रौर उक्त सूचना छावनी बोर्ड के सूचना पट्ट पर तारीख 27 दिसम्बर 1980 को चिपकाई गई थी :

श्रौर उक्त श्रवधि की समाप्ति तक छावनी बोर्ड, श्रमृतसर को जनता से कोई श्राक्षेप श्रथवा सुझाव प्राप्त नही हुए हैं:

श्रीर उक्त श्रिधिनियम की धारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त उप-नियमों के प्रारूप का विधिवत रूप से अनमोदन श्रीर पुष्टि कर दी गई है :

मतः श्रव उपरोक्त श्रधिनियम की धारा 282 सथा 283 खण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, छाननी बोर्ड, श्रमृतरार उनन उप-नियमों में श्रौर संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्निजित उप-नियम बनाता है, श्रथितः

- 1. भारत सरकार, रक्षा मंद्रालय की ग्रिधिसूचना संख्या : का० नि०न्ना० 179 तारीख 10 मई 1960 में प्रकाशित किए गए ग्रस्तसर छावनी में साईकिल/ तिपहिया साईकिलों पर कर सग्रहण व वसूली के विनियमन सम्बन्धी उप-नियम में :
- (I) उप-नियम 1 के स्थान पर निम्निलिखित उप-नियम रख जाएगा, श्रर्थात :--
 - "1 ये उप-नियम, ग्रमृतसर छावनी (साईकिल तिपहिया साईकिल कर संग्रहण श्रौर बसूली उप-नियम), 1960" कहें जाएगें।

"1ए प्रत्येक व्यक्ति जो साईकिल/ तिपहिया साईकिल का मालिक हो भ्रथना उसे रखता हो, 2 रू० प्रति साईकिल प्रतिवर्ष की दर से कर देने का जिम्मेवार होगा"

- (II) उप नियम 11 के स्थान पर सिम्नलिखित
 उप-नियम रखा जाएगा, श्रर्थात :--
- "11. छावनी सीमा के भीतर जहां कही ऐसी साईकिलें/तिपहिया साईकिलें रखी गई हों, की विधिवत स्प से कर के भुगतान का संकेत देने वाली नम्बर प्लेटों की जांच के लिए छावनीबोर्ड द्वारा अधिशासी अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक, सफाई निरीक्षक, अोवरसियर, कर-लिपिक को छावनी परिसर में प्रवेश हेतू, प्राधिकृत किया जा सकता है "।
- (ार्रों) उप नियम 1.4, के स्थान पर निम्न-लिखित उप नियम रखा जाएगा, श्रर्यात :--

"14 कोई भी साईकिल/तिपहिया साईकिल कर योग्य होगी, परन्तु जिसका कोई कर न दिया गया हो या जो बिना नम्बर प्लेट की हो, यदि छावनी सीमा के अन्दर किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पाई गई तो, उसे छावनी श्रधिवासी श्रधिकारी, कार्यालय सफाई निरीक्षक, ग्रोवरसियर श्रौर कर लिपिक द्वारा जब्त किया सकेगा। साईकिल/तिपहिया साईकिल को छावनी बोर्ड परिसर में या इस उद्देश्य के निर्धारित किसी श्रन्य स्थान पर रखा जाएगा। इसे श्रपराध का शमन करने पर श्रौर इस पर देय करों की श्रदायगी करने पर ही वापिस किया जाएगा"।"

(रक्षा भूमि तथा छाञ्जनी महानिदेशालय पग० सं० 12/7/सी०/भू व छा०/76)

ह/- आर० पी० अग्रनाल छावनी भ्रधिकासी भ्रधिकारी, भ्रमृतसर छावनी THE RESERVE AND DESCRIPTION OF THE PERSON OF

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 11th March 1983

No. N-15/13/8/1/77-P&D(1).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations. 1950. the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 5th March, 1983 as indicated in the table given below:—

	First Contribution Period		First Benefit Period	
Set	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	5-3-1983	30-7-1983	3-12-1983	28-4-1984
В.	5-3-1983	24-9-1983	3-12-1983	30-6-1984
\mathbf{C}	5-3-1983	28-5-1983	3-12-1983	25-2-1984

SCHEDULE

"The areas comprised within the Municipal limits of Neemuch in Tehsil Neemuch and District Mandsaur, in the State of Madhya Pradesh".

No. N-15/13/8/1/77-P&D (2) In the state of Madhya Pradesh namely:—

of powers conferred by Section 46(2) of the large of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 6th March, 1983 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Madhya Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1959, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Madhya Pradesh namely:—

"The areas comprised within the Municipal limits of Neemuch in Tehsil Neemuch and District Mandsaur."

H. K. AHUJA, Director (Plg. & Dev.)

COUNCIL OF ARCHITECTURE REGULATIONS, 1982

In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clauses (a), (b), (c), (d), (f) and (j) of sub-section (2) of section 45 of the Architects Act. 1972 (20 of 1972), the Council of Architecture, with the approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:—

PART-I

Preliminary

- 1. Short title and Commencement
- (1) These regulations may be called the Council of Architecture Regulations. 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions

In these regulations, unless the context otherwise requires,-

- (a) "Act" means the Architects Act, 1972 (20 of 1972);
- (b) "Fxecutive Committee" means the Executive Committee constituted under Section 10;
- (c) "Group D staff" means Daftries, Jamadars, Peons, Chowkidars and Sweepers appointed under clause (b) of sub-section (1) of section 12;

- (d) "Inspector" or "Inspectors" means the inspector or inspectors appointed by the Executive Committee under section 19;
- (e) "member" unless the context otherwise requires means the member of the Council.
- (f) "Ministerial staff" means the Superintendent, Assistants, Accountants, Clerks, Stenographers and Typists appointed under clause (b) of sub-section (1) of Section 12;
- (g) "President" means the President of the Council.
- (h) "Secretary" means the Registrar appointed under clause (a) of sub-section (1) of section 12:
- (i) "section" means the section of the Act:
- (j) "Standing orders" means the standing orders of the Council issued in confirmity with the provisions of the Act and Rules and Regulations made thereunder;
- (k) "Vice President" means the Vice President of the Council.

PART--II

Council of Architecture

3. Time and place, and prepration of business agenda for meetings of the Council:—The Council shall meet at least once in every six months on such date and place as may be fixed by the Council:

Provided that the President. (i) may call a special meeting at any time on 15 days' notice to deal with any urgent matter requiring the attention of the Council;

- (ii) shall call special meetings on 15 days' notice if he receives a requisition in writing signed by not less than 10 members and stating the purpose for which they desire the meeting to be called, such purpose being other than than mentioned in the first proviso to clause (b) of sub-regulation (9) of regulation 8 and being a purpose within the scope of the Council's functions for which they desire the meeting to be called.
- 4. Quorum for meetings of Council
- (1) At ordinary meetings of the Council and at special meetings under clause (i) of the proviso to regulation 3, fifteen members of the Council shall form a quorum and all the acts of the Council shall be decided by a majority of the members present and voting.
- (2) At a special meeting by requisition under clause (ii) of the proviso to regulation 3, the quorum shall be two-third of the total strength of the Council.
- 5. Approval by circulation of papers
- (1) In case of emergency requiring Council's sanction, the approval of members may be obtained by circulation of papers:

Provided that if no reply is received from a member within 15 days after the circulation of the papers, his approval may be taken for granted.

- (2) Approval by circulation of papers shall be decided by majority.
- 6. Business at special meetings of Council

At a meeting referred to in clause (i) of the proviso to sub-regulation (1) of regulation 3, only the subject for consideration of which the meeting has been called shall be discussed.

7. Notices of meetings of Council

Notices of every meeting other than special meetings called under the proviso to sub-regulation (1) of regulation 3, shall be despatched by the Secretary to each member of the Council not less than 30 days before the date of meeting.

- 8. Business agenda for meetings of Council.
- (1) The Secretary shall issue with the notice of the meeting a preliminary agenda showing the business to be brought before the meeting, the terms of all motions to be moved of which notice in writing has previously reached him and the names of the movers.
- (2) A member who wishes to move any motion not included in the preliminary agenda or an amendment to any item so included shall give notice thereof to the Secretary not less than 20 clear days before the date fixed for the meeting.
- (3) The Secretary shall not less than 10 clear days before the date fixed for the meeting, and in case of special meeting, with the notice of the meeting, issue a complete agenda paper showing the business to be brought before the meeting.
- (4) A member who wishes to move an amendment to any item included in the complete agenda paper, but not included in the preliminary agenda paper shall give notice thereof to the Secretary not less than 3 clear days before the date fixed for the meeting.
- (5) The Secretary shall, if time permits, cause a list of all amendments of which notice has been given under sub-regulation (4) to be made available for the use of every member before the meeting.
- (6) President may, if the Council agrees, allow a motion to be discussed at a meeting notwithstanding the fact that notice was received too late to admit of compliance with these regulations.
- (7) Nothing in these regulations shall operate to prevent the reference by the Executive Committee of any matter to the Council at a meeting following immediately or too soon after the meeting of the Executive Committee.
- (8) An amendment to a resolution or a motion can be moved when it is under discussion and no time limit of notice shall be necessary.
 - (9) A motion shall not be admissible,-
 - (a) if the matter to which it relates is not within the scope of the Council's functions;
 - (b) if it raises substantially the same question as a motion or amendment which has been moved or withdrawn with the leave of the Council within one year of the date of the meeting at which it is designed to be moved:

Provided that such a motion may be admitted at a special meeting of the Council convened for the purpose under clause (ii) of the proviso to regulation 3 on the requisition of not less than two-thirds of the total strength of the Council:

Provided further that nothing in these regulations shall operate to prohibit further discussion of any matter referred to the Council by the Central Government in the exercise of any of its functions under the Act;

- (c) unless it is clearly and precisely expressed and raised substantially a definite issue;
- (d) if it contains arguments, inferences, ironical expressions of defamatory statements.
- (10) The President shall disallow any motion which, in his opinion, is inadmissible under sub-regulation (9):

Provided that if a motion can be rendered admissible by amendment, the President may in licu of disallowing the motion admit it in amended form.

- (11) When the President disallows or accepts an amendment to a motion, the Secretary shall inform the members who gave notice of the motion of the order of disallowance or as the case may be, of the form in which the motion has been admitted.
- 9. Presiding officer of meetings of the Council and manner of voting
- (1) Every meeting of the Council shall be presided over by the President or, if he is absent, by the Vice-President

- or, if both the President and the Vice-President are absent, by a member to be elected by the members present from amongst themselves.
- (2) Every matter to be determined by the Council shall be determined on a motion moved by a member and put to the Council by the presiding officer.
- (3) Votes shall be taken by show of hands or by division or by ballot as the presiding officer may direct.

Provided that votes shall be taken by ballot if three members so desire and ask for it.

Provided further that if voting has been by show of hands, a division shall be taken if a member asks for it.

- (4) The presiding officer shall determine the method of taking votes by division.
- (5) The result of the vote shall be announced by the presiding officer of the meeting and shall not be challenged.
- (6) In the event of an equality of votes, the presiding officer of the meeting shall have a second or casting vote.
- 10. Motions to be moved at meetings of the Council.
- (1) When motions identical in purport stand in the names of two or more members, the presiding officer of the meeting shall decide whose motion shall be moved and other motion or motions shall thereupon be deemed to have been withdrawn.
- (2) Every motion or amendment shall be seconded and if not seconded shall be deemed to have been withdrawn.
- (3) When a motion is seconded, it shall be stated by the presiding officer of the meeting.
- (4) When a motion has been thus stated, it may be discussed as a question to be resolved either in the affirmative or in the negative or any member may, subject to regulation 11 move an amendment to the motion:

Provided that the presiding officer shall not allow an amendment to be moved which if it had been a substantive motion would have been inadmissible under regulation 8

- 11. Amendments to motions at the meetings of Council
- (1) At a meeting of the Council an amendment must be relevant to and within the scape of the motion to which it is proposed and shall not be moved which has merely the effect of a negative vote.
- (2) The presiding officer of the meeting may refuse to put to vote an amendment to the motion which is in his opinion frivolous and has the effect of a negative vote.
 - (3) A motion may be amended by-
 - (a) the omission, insertion or addition of words, or
 - (b) the substitution of words for any of the original words.
- 12. Matters which may be discussed at the time of discussion of a motion.
- (1) At a meeting of the Council when a motion or amendment is under debate no proposal with reference thereto shall be made other than—
 - (a) an amountment of the motion or the amendment, as the case may be, as proposed in regulation 10;
 - (b) a motion for the adjournment of the debate on the motion or amendment either to a specified date and hour or sine die;
 - (c) a motion for the closure, namely a motion that the question be now put,
 - (d) a motion that the Council instead of proceeding to deal with the motion do pass to the next item in the agenda.

Provided that no such motion or amendment shall be moved so as to interrupt a speech:

Provided further that no motion of the nature referred to in clauses (b), (c) and (d) shall be moved or seconded by a member who has already spoken on the question at the meeting:

(2) Unless the presiding officer of the meeting is of opinion that a motion for closure is an abuse of the right of reasonable debate, he shall forthwith put a motion that the question be now put and if that motion is carried the substantive motion or amendment under debate shall be put forthwith:

Provided that the presiding officer of the meeting may allow the mover of the substantive motion to exercise his right of reply before the substantive motion under the debate is put:

Provided further that it shall not interrupt a speech, a proposal to adjourn the Council to a specified date and hour may be made at any time, but it shall be at the discretion of the presiding officer of the meeting to put or refuse to put such a proposal to the Council.

- (3) A motion or an amendment which has been moved and seconded shall not be withdrawn save with the leave of the Council which shall not be granted, if any member dissent from the granting of such leave.
- (4) When a motion has been moved and seconded, members other than the mover and the seconder may speak on the motion in such order as the presiding officer of the meeting may direct:

Provided that the seconder of a motion or of an amendment may, with the permission of the presiding officer of the meeting confine himself to seconding the motion or amendment, as the case may be and speak thereon at any subsequent stage of the debate.

- (5) During the meeting, the presiding officer of the meeting may, at any time, make any objection or suggestion or give information to elucidate any point to help the members in the discussion.
- (6) The mover of an original motion, and if permitted by the presiding officer of the meeting, the mover of any amendment, shall be entitled to a right of final reply; and no other member shall speak more than once in the debate except with the permission of the presiding officer of the meeting for the purposes of making a personal explanation or putting a question to the members then addressing the Council:

Provided that any member at any stage of the debate may arise to a point of order, but no speech shall be allowed on that point:

Provided further that a member who has spoken on a motion may speak again on an amendment to the motion subsequently moved.

- (7) A speech shall be strictly confined to the subject matter of the motion or amendment on which it is made.
- (8) Any motion or amendment standing in the name of a member who is absent from the meeting or unwilling to move it, may be brought forward by another member with the permission of the presiding officer of the meeting.
- (9) If at any time the presiding officer of the meeting rises, any member speaking shall immediately resume his seat

13. Adoption of motion.

- (1) When an amendment to any motion is moved and seconded or when two or more such amendments are moved and seconded, the presiding officer of the meeting shall, before taking the sense of the Council thereon, state or read to the Council the terms of the original motion and of the amendment or amendments proposal.
 - (2) An amendment to a motion shall be put to vote first.
- (3) If there be more than one amendment to a motion the presiding officer of the meeting shall decide in what order they shall be taken.

- (4) When any motion involving several points has been discussed, it shall be at the discretion of the presiding officer of the meeting to divide the motion, and put each or any point separately to the vote as he may think fit.
- 14. Adjournment of meetings of the Council.
- (1) The presiding officer of a meeting of the Council may, at any time, adjourn any meeting to any future date or to any hour of the same day.
- (2) When a meeting has been adjourned to a future date, the President may change such date to any other day and the Secretary shall send written notice of the change to each member.
- (3) Whenever a meeting is adjourned to a future date, the Secretary shall, send notice of the adjournment to every member.
- (4) At a meeting adjourned to a future date, any motion standing over from the previous date shall, unless the President otherwise directs, take precedence over other matter on the agenda.
- (5) Either at the beginning of the meeting or after the conclusion of the debate on a particular item during the meeting, the presiding officer of the meeting or a member may suggest a change in the order of business on the agenda, and if the Council agrees such a change shall be made.
- (6) A matter which had not been on the agenda of the original meeting shall not be discussed at an adjourned meeting.

15. Commencement of a meeting of Council

If at any time appointed for a meeting, a quorum is not present, the meeting shall not commence until the quorum is present and if the quorum is not present on the expiration of 20 minutes from the time appointed for the meeting or during the course of any meeting, the meeting shall stand adjourned to such future date and time as the President may appoint:

Provided that in the case of a meeting adjourned for want of quorum, no quorum shall be required.

- 16. Points or order: (1) The presiding officer of the meeting of the Council shall decide all points of order which may arise, and his decision shall be final.
- (2) If any question arises with reference to procedure in respect of a matter for which these regulations make no provision, the presiding officer of the meeting shall decide the same and his decision shall be final.

17. Minutes of the meetings of Council

- (1) The proceedings of the meetings of the Council shall be preserved in the form of minutes which shall be authenticated, after confirmation by the signature of the presiding officer of the meeting confirming the minutes.
- (2) A copy of the minutes of each meeting shall be submitted to the President within 10 days of the meeting and attested by him and they shall then be sent to each member within 30 days of the meeting.
- (3) The minutes of each meeting shall contain such motions and amendments as have been moved and adopted.
- (4) If any objection regarding the corectness of the minutes is received within 30 days of the despach of the minutes by the Secretary, such objection together with the minutes as recorded and attested shall be put before the next meeting of the Council for confirmation and at this meeting no other question shall be raised except as to the correctness of the records of the meeting:

Provided that if no objection regarding decision taken by the Council at a meeting is received within 30 days of the despatch by the Secretary of the minutes of that particular meeting such decision may, if expedient, be put into effer before the confirmation of the minutes at the meeting:

Provided further that the President may direct that a be taken on a decision of the Council before the exp' the period of 30 days mentioned above. (5) The minutes of the Council shall, as soon as is practicable after their confirmation, be made up in sheets and consecutively paged for insertion in a volume which shall be permanently preserved.

PART III

Powers and duties of President and Vice-President of the Council

18. Powers and Duties of President

- (1) The President shall exercise such powers and perform such duties as are contained in the provisions of the Act, the regulations and standing orders of the Council and shall do such acts as he considers necessary in the furtherance of the objects for which the Council is established.
- (2) The President shall preside over the deliberations of the Council and of all committees of which he is a member.
- (3) The President shall cause the meetings of the Council or Committees of the Council to be convened at such time and place as he may deem fit.
- (4) The President shall approve the items for agenda to be brought before the meetings of the Council and its committees.

19. Powers and Duties of Vice-President

If the Office of the President is vacant or if the President, for any reason, is unable to exercise the powers or perform the duties of his office, the Vice-President shall act in his place and shall exercise the powers and perform the duties of the President.

PART IV

Executive Committee

- 20. Conduct of business at the meetings of the Executive Committee
- (1) The meetings of the Executive Committee shall, unless otherwise specified, be generally governed by the regulations applicable to the meetings of the Council.
- (2) If both the Chairman and Vice-Chairman are absent, the members present shall elect one of their members to preside over the meeting.
- (3) Four members of the Executive Committee shall form a quorum.
- (4) If at the time appointed for the meeting of the Executive Committee, the quorum is not present, the meeting shall not commence until a quorum is present, and if the quorum is not present on the expiration of 30 minutes from the time appointed for the meeting or during the course of the meeting the meeting shall stand adjourned to such future date and time as the member presiding over the meeting may appoint.
- (5) In the case of a vacancy which may occur during the interval between consecutive meetings of the Council, the Executive Committee may co-opt a member of the Council to fill the vacancy until the next meeting of the Council which shall elect one of its members to be the member of the Executive Committee.
- (6) Notice and agenda of meetings of the Executive Committee shall ordinarily be given 15 days before the meetings.
 - (7) (a) A copy of the minutes of each meeting shall be submitted to the Chairman within 15 days of the meeting, and after having been attested by him shall be sent to each member, within 20 days of the meeting.
 - (3) If no objection to the correctness of the minutes is received within 20 days of their despatch, any decisions therein shall be given effect to.
 - (c) The minutes shall be sent to the members of the Council after confirmation by the Executiae Committee.

Provided that the President may direct that the action be taken on a decision of the Executive Committee, before the expiry of the period of 20 days mentioned above.

- Provided further that the Executive Committee or the President shall refrain to act on the resolutions and the decisions taken by the Executive Committee where approval of the Central Government is required to be obtained under the provisions of the Act.
- (8) All resolutions passed and action taken by the Executive Committee after confirmation by the Committee shall be placed for ratification.
- (9) No decision of the Executive Committee shall have effect until the President has signified his approval thereof in writing and if he disapproves, until the Council has approved of the Executive Committee's decision.

21. Functions of the Executive Committee

- (1) The Executive Committee shall be the executive authority of the Council and shall be responsible for giving effect to the resolution and decision of the Council.
- (2) The Executive Committee shall have powers, such as—
 - (i) to manage the funds of the Council;
 - (ii) to invest the funds of the Council in the manner directed by the Council from time to time;
 - (iii) to appoint and supervise the work of the members of the staff, and prescribe their conditions of service;
 - (iv) to consider the annual audit report and place it before the Council with its comments for its consideration;
 - (v) to prepare and place before the Council the annual administration report and the statement of accounts;
 - (vi) to authorise the Registrar to incur expenditure within the prescribed limits provided for in the approved budget;
 - (vii) to fix travelling and other allowances to the members of the Council and its Committees and to the members of the staff;
 - (viii) to delegate to the Chairman and the Vice Chairman any of its aforementioned powers; and
 - (ix) to do all other functions necessary for discharging the aforesaid functions.

PART V

Committees of the Council

- 22. Constitution and conduct of business of committees
- (1) The Council may, at any time on the adoption of a motion to this effect constitute a committee or committees consisting of any number of its members or resolve itself into committee for the consideration of any business.
- (2) The Council shall define the functions of the Committee and the number of members to be appointed or elected.
- (3) The said committees shall have the powers to co-opt-additional member or members not exceeding three in each case with prior approval of the President.
 - (4) (a) If the number of members proposed as members of the committee does not exceed the total number of members to form the committee, the members so proposed shall be appointed as members of the committee.
 - (b) If the number of members so proposed exceeds the total number of members to form the committee, ballot shall be held and the requisite number of members who obtain the largest number of members who obtain the largest
- (5) The President and Vice-President shall be ϵx -officion members of the committees constituted by the Council and shall act as Chairman and Vice-Chairman of these committees.
- (6) The quorum for a committee constituted by the Council shall not be less than one-third of the total number of the members of the committee.
- (7) Proceedings of the said committees shall be in accordance with this regulation, provided that it may at any time

be relaxed at the discretion of the Chairman of the committee.

(8) The Committees shall submit its report to the Executive Committee.

PART VI

Registrar and employees of the Council

23. Term, powers and duties of Registrar

- (1) The term of the Registrar shall be fixed by the Council, with the previous sanction of the Central Government, at the time of appointment.
- (2) The Registrar shall normally retire on attaining the age of 60 years unless otherwise determined by the Council.
- (3) The Registrar shall be the Chief Executive Officer of the Council and subject to the general supervision of the President and the relvant committee of the Council, shall exercise and perform, in addition to the powers and duties specified by the Act and these regulations in this behalf, the tollowing powers and duties, such as,—
 - (i) be in charge of the Office of the Council as its Executive Head;
 - (ii) attend all meetings of the Council or of the committees unless otherwise directed;
 - (iii) keep records and minutes of the proceedings of the Council and of its committees:
 - (iv) keep in his custody the property of the Council including the Seal of the Council;
 - tv) exercise general control and supervision over the employees of the Council;
 - (vi) arrange for the deposit of moneys in bank received on behalf of the Council or its committees unless otherwise decided by the Council;
 - vii) act as Secretary of all committees and convene meetings of the Council or its committees unless otherwise decided by the Council;
 - (viii) appoint such temporary staff as may be necessary, with the prior approval of the President to transact
 - (ix) issue requisite notifications as prescribed and circulars as may be required;
 - . (x) attend to the correspondence of the Council and of the committees;
 - (xi) act as Secretary of the Disciplinary Committee constituted under rule 35 of the Council of Architecture Rules, 1973;
 - (xii) issue notices and be in charge of all work in respect of the proceedings including the grant of certified copies of documents and evidence or statement of witnesses;
 - (viii) grant certified copies of documents or other proceedings referred to in the Act or the rules made thereunder or in these regulations;
 - (viv) be the custodian of the records, registers, accounts, furniture, library and such other property as the Council may acquire from time to time:
 - (xv) make necessary arrangements for receiving moneys due to the Council and also issue receipts thereof;
 - (xvi) cause proper accounts to be maintained and deliver accounts books and other information required by the auditors appointed by the Council for the purpose of the audit of the accounts of the Council;
 - (xvii) make all other payments as sanctioned by the Council, committees and the President;
- (xviii) pay salary and allowances to officers and employees of the Council, grant leave, etc. to them and sign their increments in accordance with the approved scale of pay;
- (vix) exercise disciplinary control over the said employees except dismissal in respect of which prior sanction of the Executive Committee shall be obtained:

- (xx) perform such other duties as may be assigned to him by the Council or the committees or the President;
- (xxi) register the architects, renew their registration and remove their names from the register of architects owing to non-payment of renewal fees.
- 24. Term, powers and duties of Administrative Officer
- (1) The term of the Administrative Officer shall be fixed by the Council, with the previous sanction of the Central Government, at the time of appointment.
- (2) The Administrative Officer shall normally retire on attaining the age of 60 years unless otherwise determined by the Council.
- (3) The Administrative Officer shall perform such duties as may be assigned to him by the Executive Committee, the Registrar and by these regulations.
- (4) The Administrative Officer shall assist the Registrar in all the administrative matters in day to day working of the Office and shall assume all administrative responsibilities in the absence of the Registrar.
- 25. Terms and conditions of service of the employees
- (1) Members of the Ministerial staff and Class IV staff shall retire on attaining the age of 60 years:

Provided that the Executive Committee may, for the reasons to be recorded in writing, extend the tenure of a member of the Ministerial stoff or Class IV staff upto a period of 2 years.

- (2) The powers and duties of the employees shall be such as may be laid down, from time to time, in the standing orders.
- (3) The Registrar may subject to prior approval of the President, appoint the Ministerial staff and Class IV staff and may engage such temporary personnel as may be required from time to time and, pay a reasonable rate of remuneration to such personnel, provided it does not exceed the rate senctioned by the Central Government for corresponding permanent staff and such appointments shall be reported to the Executive Committee

PART VII

Finances, Accounts and Audit

26. Finances and Accounts

(1) The Council may receive, for the purpose of its expenses, registration fee, renewal fees and such other fees and money made admissible under the Act and the rules framed thereunder, and the proceeds of the sale of register of architects, reports and other publications:

Provided that the Council may accept grant, gift or deposit and such other financial assistance from the Central Government,

- (2) The Bankers of the Council shall be the State Bank of India or any other bank specified in column 2 of the First Schedule to the Banking companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970).
 - (3) (a) All the funds of the Council shall be paid into the Council's accounts with any of the said banks and shall be withdrawn by means of cheques signed by the Registrar and countersigned by the President or any other officer authorized by him in this behalf.
 - (b) The Cheque books shall remain in the personal custody of the Registrar.
- (4) The funds of the Council, surplus to current requirements may, on the recommendations of the Registrar and with the sanction of the Executive Committee, be invested in fixed deposits with any of the said banks or in any Government security or in any other security approved by the Central Government.
- (5) An investment of the funds of the Council shall be made in the name of the Council.

- (6) The safe custody of receipts shall remain in the personal charge of the Registrar and shall be verified once in six months with the Register of Investments referred to in regulation 27 and a certificate of verification shall be recorded by the Registrar and countersigned by the President.
- (7) The Registrar shall prepare detailed estimates of the receipts and expenditure for the next financial year, and shall submit the same for the sanction of the Executive Committee.
- (8) The funds of the Council shall not be appropriated for expenditure on any item which has not been duly sanctioned by the Council or by the President or the Registrar, as the case may be.

26. Finances and Accounts

- (9) (a) The President shall have full powers to re-appropriate funds from one unit of appropriation to another subject to the condition that the total budget provision is not exceeded and the President's action does not lead to any future financial commitment for the Central Government.
 - (b) Copies of orders sanctioning such reappropriation shall be communicated to the Executive Committee.
- (10) The Registrar shall have power to sanction expenditure of miscellaneous and contingent nature upto an amount not exceeding Rs. 200/- in each case and the expenditure in excess of this amount shall lrequire the sanction of the President.
- (11) A permanent advance of Rs. 200/- as imprest amount shall be made to the Registrar to meet day to day expenses.
- (12) The Registrar shall be the certifying officers for travelling and other allowances to members, inspectors and employees of the Council, and the President for those of the Registrar.

27. Banks of Accounts

- (1) The following account books of the Council shall be maintained, namely :-
 - (i) The Cash Book.
 - (ii) The Classified Abstract.
 - (iii) The Register of Investments.
 - (iv) The Register of equipment and Furniture.
 - (v) The Register of Cheque books.
 - (vi) The Register of Leave and Pension or Provident Fund Contributions.
 - (vii) The Register of permanent advances.
 - (viii) Annual accounts.
 - (2) (a) Monthly accounts shall be compiled in the classified abstract according to the primary units of appropriation.
 - (b) Suitable secondary units may be opened at the discretion of the Registrar who shall be responsible for the due preparation and maintenance of all accounts.

28. Audit of accounts

- (1) The annual accounts of the Council shall be audited by an auditor appointed annually by the Council.
- (2) The result of audit shall be communicated to the Executive Committee.
- (3) A copy of the audited annual accounts and the report of the Council shall be submitted to the Central Government.

PART VIII

Inspection of educational institutions of architecture

29. Inspection of educational institutions and their examinations

The inspection of architectural institutions and the attendance at the time of training and examination under section

- 19 shall be carried out in accordance with the following manner, namely:-
- (1) each institution imparting instruction in architecture shall be inspected by the inspectors once in five years;
- (2) the Registrar shall fix the date of inspection in consultation with the inspector or inspectors and the institution;
- (3) the Executive Committee shall appoint such number of inspectors as may be deemed necessary to inspect an institution or to attend any examinations and to report thereon;

Provided that the minimum number of inspectors for such inspection shall be two;

- (4) (a) every inspector shall receive from the Chairman, Executive Committee, a formal commission in writing under the seal of the Council;
 - (b) the instructions of the Chairman shall specify the institution or institutions, courses of studies and scheme of examination or examinations or training programme or educational standards including staff, equipments, accommodation, training and other facilities which are required to be inspected or attended;
 - (c) the Chairman shall inform the inspector that he is to report to the Executive Committee who shall submit their final report with recommendations to the Council in accordance with these regulations;
 - (d) the Registrar shall provide the inspector with a copy of the documents and of the recommendations of the Council in regard to recognition of the qualifications or educational standards and improvements to be made thereon and of the resolutions with regard to architectural education.

30. Powers and duties of Inspectors

- (1) It shall be the duty of the Inspector,-
 - (a) to make himself acquainted with such previous reports, if any, on the institution or institutions which he is appointed to inspect as the Executive Committee may direct and with the observations of the University or examining body and the report of the Council thereon;
 - (b) to attend personally institution or examination or training which he is required to inspect but not to interfere with the conduct thereof;
 - (c) to inspect the institution which provides a recognized course of study or has applied for the recognition of its course of study and scheme of examination and to see that the course is in confirmity with the regulations relating to education and the standards laid down by the Council;
 - (d) to report to the Executive Committee his opinion as to the sufficiency or insufficiency of standards of education or examination or institution inspected by him;
 - (e) to set forth in his report, in order, all the necessary particulars as to the question proposed in the written, oral or practical parts of each examination attended by him, the sessional and class work submitted by the candidates at the time of practical or viva-voce examination, the arrangements made for invigilation, the method and scales of making, the standard of knowledge shown by the successful candidates and generally all such details as may be required for adjudicating on the scope and character of the examinations
 - (f) to set forth in his report necessary particulars in respect of institutions so as to enable the Executive Committee to assess the existing facilities for feaching as well as the extent to which the recommenda-tions of the Council regarding professional education have been given effect to;
 - (g) to compare, on receipt from the Registrar, proof copy of any of his reports, the proof with the original and correct, sign and return it to the Registrar

for preservation in the records of the Council the authentic copy of such report.

- (2) Every report of the inspector or inspectors shall be signed and submitted to the Executive Committee.
- (3) The reports of inspectors shall be deemed confidential, unless in any particular case the Executive Committee otherwise directs.
- (4) Copies of the report by inspectors marked confidential shall be forwarded to the University or the examining body concerned as well as the institution with a request that the authority should furnish to the Executive Committee within six months from the date of despatch, such observations thereon as they may think necessary.
- (5) A confidential copy of every report of an inspector or inspectors, with the observations of the University or the examining body or the institution thereon, shall be supplied to each member of the Council and shall be considered together with comments of the Executive Committee by the Council along with the observations thereon of the Executive Connittee for consideration by the Council at their next meetin.
- (6) A copy of every report by the inspector or inspectors, with the observations of the University or the examining body and the institution concerned and the opinion of the Executive Committee thereon, shall, after approval by the Council, be forwarded to the Central Government and State Government concerned.

-CANTONMENT BOARD, AMRITSAR CANTONM/NT

Amritsar, Cantonment, the 21st February 1983

SRO. CBA-R-15/82-83/484.—Whereas a draft of certain bye-laws for, regulating the collection and recovery of tax on bicycle/tricycle in the Cantonment of Amritsar was published with the Amritsar Cantonment Roard's Notice No CBA-R-15/80-81/325/1674, dated the 27th December, 1980, as required by sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

And whereas the said notice was put on the Cantonment Notice Board on the 27th December, 1980:

And whereas no objections or suggestions were received from the public by the Cantonment Board. Amritsar, before the expiry of the said period;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft of bye-laws as required by subsection (1) of section 284 of the said Act;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by clause (3) of section 282 and 283 of the said Act, the Cantonment Board, Amritsar, hereby makes the following bye-laws further to amend the said bye-laws, namely:—

- 1. In the bye-laws for regulation of the collection and recovery of bicycle/tricycle tax in the Amritsar Cantonment, published with the notification of the Government of India, in the Ministry of Defence, No. S.R.O. 179, dated the 10th May, 1960:
- (i) for bye-law 1 the following bye-laws shall be substituted, namely:—
- "1. These bye-laws may be called the Amritsar Cantonment (Regulation of the collection and recovery of bicycle/tricycle tax) Bye-laws, 1960".
- "1A. Every person who owns or keeps a bicycle or tricycle shall be liable to pay tax at the rate of Rs. 2.00 per annum per cycle or tricycle";
- (ii) for bye-law 11, the following bye-law shall be substituted, namely:—
- "11. The Executive Officer. Office Superintendent, Sanitary Inspector, Overseer, Tax dealing Clerk may be authorised by the Cantonment Board in this behalf, to enter the premises within the Cantonment limits where such bicycles and tricycles

are kept in order to check the necessary number plate indicating that the tax has been duly paid therefor.";

- (iii) for bye-law 14, the following bye-law shall be substituted, namely:—
- "14. Any bicycle or tricycle liable to be taxed but for which no tax has been paid or which is without a number plate, if found in any public place within the Cantonment limits shall be liable to be seized by the Cantonment Executive Officer, Officer Superintendent Sanitary Inspector, Overseer and Tax dealing Clerk. The bicycle or tricycle shall be kept in the Cantonment Board premises or any other place set apart for the purpose. It shall only be released on composition of offence and payment of tax due thereon".

(DG DL&C File No. 12/7/C/L&C/76)

R. P. AGGARWAL Executive Officer, Cantonment Board, Amritsar

PUNJAB WAKF BOARD AMBALA CANTT.

Ambala Cantt., the 3rd March 1983

Officer on special duty is hereby authorised to sign duly approved lease and Allotment orders in the absence of the Secretary Punjab Wakf Board [Rule 7(1) of the Punjab Wakf Rules, 1964)].

AKHTAR HUSSAIN, Administrator Punjab Wakf Board Ambala Cantt.

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

Chandigarh-160014, the 17th March 1983

No. 1-83/G.R.—The Central Government (Ministry of Education & Culture) have accorded approval vide their No. F.15-1/83-Desk(U) dated 12-3-1983 to the amendment of Regulation 1 of the Chapter VI Conditions of Service of University Employees' at page 138 of the Calendar Volume I, 1981, which shall read as under:—

1. The University employees shall be classified into the following categories:

I. A. Class:

- (i) All University teachers i.e. Professors. Readers, Lecturers and such other persons as may be designated as teachers by the Senate including Research Assistants, Teachers Assistants, instructors and Pandits:
- (ii) All Administrative Officers of and above the rank of Office Superintendents/P.A.'s and other non-teaching staff having equivalent/corresponding pay-scales.

II. B Class:

Assistants/Stenographers/Steno-typists/Clerks and other non-teaching staff having equivalent/corresponding pay-scales;

III. C Class:

Employees not covered under I and II above.

Note: University employees who have not opted for the revised pay-scales on the Punjab Government pattern, or technical/laboratory staff whose pay-scales have not been revised will continue to be classified in the categories in which they had continued to be classified, so far.

JANKI DASS Deputy Registrar (General)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University this day the 17 March 1983.

D. P. VERMA, Registrar

•	